दैनिक
# न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

**आवश्यक सूचना**

**आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।**

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, सोमवार 07 जून 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 247

## महत्वपूर्ण एवं खास

### हथियार तस्करी की कोशिश नाकाम, 2 आतंकी गिरफ्तार

**श्रीनगर (आरएनएस)।** जम्मू-कश्मीर के लोअर मुंडा इलाके में हथियारों की तस्करी की कोशिश को नाकाम करने के बाद भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया और दो आतंकवादी साथियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार डंपर से बरामद हथियारों के जखीरे में दो एके राइफल और 10 पिस्टल शामिल हैं। गिरफ्तार किए गए दो आतंकवादी साथी दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के हैं। हथियार तस्करी की कोशिश को नाकाम कर दिया गया, लोअर मुंडा क्रॉसिंग काजीगुंड में एक डंपर से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद (2एके 56 राइफल, 10 पिस्तौल) बरामद किया गया। उन्होंने कहा, दो आतंकवादी सहयोगी जाहिद नबी और मेहराजुद्दीन को गिरफ्तार किया गया और जांच जारी है।

### तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से दो बहनों की मौत

**लखनऊ (आरएनएस)।** फतेहपुर जिले में तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से दो नाबालिग बहनों की मौत हो गई और भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। रानी (12) बिटन (10) और शिवम (14) शनिवार को घटना के समय आसपास के एक कृषि क्षेत्र में जा रहे थे। बिटन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रानी ने जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। गंभीर रूप से घायल शिवम का अस्पताल में इलाज चल रहा है। ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया है और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया।

### जम्मू-कश्मीर में हल्की तीव्रता का भूकंप

**जम्मू (आरएनएस)।** जम्मू-कश्मीर में हल्की तीव्रता का भूकंप आया, हालांकि अभी तक कहीं से किसी के हताहत होने या नुकसान की कोई खबर नहीं है। जम्मू-कश्मीर में आज सुबह 6.21 बजे रिक्टर पैमाने पर 2.5 तीव्रता का हल्का भूकंप आया। भूकंप का अक्षांश 32.99 डिग्री उत्तर और देशांतर 75.82 डिग्री पूर्व था। भूकंप का केंद्र रियासी जिले के कटरा शहर से 82 किलोमीटर पूर्व में पृथ्वी के अंदर 5 किलोमीटर गहराई में स्थित था। कश्मीर में भूकंप पहले भी कहर बरपा चुके हैं क्योंकि घाटी भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में स्थित है।

### पंजाब पुलिस ने कोविड-19 साइबर घोटाले का किया भंडाफोड़ , 3 गिरफ्तार

**चंडीगढ़ (आरएनएस)।** पंजाब पुलिस ने मोहाली जिले में कोविड -19 साइबर घोटाले में शामिल अपराधियों के एक अंतरराज्यीय हाई-प्रोफाइल गिरोह का भंडाफोड़ किया है। साइबर अपराध के पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों को नकली रेमडेसिविर और अन्य दवाएं देने का झूठा वादा कर मरीजों को ठगते हुए पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि वे पीड़ितों को उनके व्हाट्सएप नंबरों पर कॉल करके लालच देते थे और फिर विभिन्न बैंक खातों में अग्रिम भुगतान प्राप्त करने के बाद उनके नंबर बंद कर देते थे। कलेर ने कहा कि उनके पास से 14 लाख रुपये की ठगी की पूरी रकम बरामद कर ली गई है।

# सीएसआईआर और लक्साई लाइफ ने कोविड-19 के उपचार हेतु निकलोसामाइड की क्लिनिकल ट्रायल्स की शुरू

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** सीएसआईआर ने लक्साई लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से कोविड-19 के उपचार के लिए एंटी-हेलमिनिटिक दवा निकलोसामाइड के साथ चरण-ढ्ढ क्लिनिकल ट्रायल शुरू की है। यह ट्रायल एक बहु-केंद्रित, चरण-ढ्ढ, यादृच्छिक, ओपन लेबल क्लिनिकल अध्ययन है जो अस्पताल में भर्ती कोविड-19 मरीजों के उपचार के लिए निकलोसामाइड की प्रभावकारिता, सुरक्षा और सहनशीलता का मूल्यांकन करता है। अतीत में निकलोसामाइड का व्यापक रूप से उपयोग वयस्कों के साथ-साथ बच्चों में फीता कृमि के संक्रमण के इलाज के लिए किया गया है। इस दवा की सुरक्षा प्रारूप का समय के साथ परीक्षण किया गया और इसे विभिन्न खुराक स्तरों पर मानव इस्तेमाल के लिए सुरक्षित पाया गया है।

सीएसआईआर के महानिदेशक डॉ. शेखर सी मांडे ने एसईसी की सिफारिशों पर निकोलसामाइड का उपयोग करके इस चरण-ढ्ढ क्लिनिकल ट्रायल का संचालन करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। यह जेनेरिक व सस्ती दवा है और भारत में आसानी से उपलब्ध है। इन बातों को देखते हुए निकोलसामाइड दवा को हमारी आबादी के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है। वहीं डीजी-सीएसआईआर के सलाहकार डॉ. राम विश्वकर्मा ने बताया कि -

ए) इस परियोजना में सहयोगी किंग्स कॉलेज, लंदन के शोध समूह ने उन दवाओं की पहचान करने के लिए जो सिंकाइटिया की रचना को रोक सकती हैं, की जांच में निकोलसमाइड की पहचान एक भरोसेमंद पुनरूद्देशित दवा के रूप में की। कोविड-19 के मरीजों के फेफड़ों में देखी गई सिंकाइटिया या फ्यूज्ड कोशिकाएं संभवतः सार्स कोव-2 स्पाइक प्रोटीन की फ्यूजोजेनिक गतिविधि के परिणामस्वरूप होती हैं और निकलोसामाइड, सिंकाइटिया की रचना को रोक सकता है।

बी) स्वतंत्र रूप से, सीएसआईआर-आईआईआईएम, जम्मू और एनसीबीएस, बैंगलोर के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान ने हाल ही में यह दिखाया कि निकलोसामाइड भी एक संभावित सार्स-कोव2 प्रवेश अवरोधक है, जो पीएच निर्भर एंडोसाइटिक मार्ग के माध्यम से वायरल संक्रमण को रोकता है। इन दो स्वतंत्र प्रायोगिक अध्ययनों को देखते हुए, निकलोसामाइड अब कोविड-19 मरीजों में क्लिनिकल ट्रायल के लिए एक भरोसेमंद दवा के विकल्प के रूप में उभरा है।

सीएसआईआर-आईआईसीटी, हैदराबाद के निदेशक डॉ. वारी चंद्रशेखर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि लक्साई लाइफ साइंसेज, आईआईसीटी में विकसित उन्नत तकनीक के आधार पर सक्रिय फार्मास्युटिकल संघटक (एपीआई) बना रही है और प्रयोगशाला इस महत्वपूर्ण क्लिनिकल ट्रायल में भागीदार है जो परीक्षण के सफल होने पर मरीजों के लिए लागत प्रभावी चिकित्सीय विकल्प प्रदान कर सकती है।

लक्साई के सीईओ डॉ. राम उपाध्याय ने बताया कि निकलोसामाइड की क्षमता को देखते हुए पिछले साल ही क्लिनिकल ट्रायल्स करने के प्रयास शुरू किए गए थे। दवा नियामक से मंजूरी मिलने के बाद इस हफ्ते अलग-अलग जगहों पर क्लीनिकल ट्रायल शुरू कर दिया गया है और उम्मीद है कि यह ट्रायल 8-12 हफ्ते में पूरा हो जाएगा। भारतीय अध्ययनों में क्लिनिकल ट्रायल्स के दौरान सृजित सफल नैदानिक सबूतों के आधार पर, आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण मांगा जा सकता है ताकि कोविड-19 मरीजों के लिए अधिक उपचार विकल्प उपलब्ध हो सके।

## हरियाणा में 14 जून तक के लिए बढ़ा लॉकडाउन, कुछ छुट के साथ खुलेंगे मॉल, रेस्टोरेंट और बार

**चंडीगढ़ (आरएनएस)।** कोरोना की दूसरी लहर के कारण हरियाणा में भी लॉकडाउन की घोषणा की गई थी। इस दौरान कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए थे। हालांकि अब नए मामलों में कमी देखने को मिली है। रिकवरी रेट में भी सुधार हुआ है। साथ ही टीकाकरण अभियान भी चलाए जा रहे हैं। इसके बावजूद सरकार ने एहतियात बरतते हुए 14 जून तक के लिए लॉकडाउन बढ़ा दिया है। हालांकि, सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों में प्रतिबंधों में ढील दी गई है। दुकान, मॉल, रेस्टोरेंट, बार और धार्मिक स्थलों को खोलने की इजाजत दी गई है, लेकिन उन्हें इस दौरान कई तरह के नियम और शर्तों का पालन करना पड़ेगा। सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के मुताबिक, क्लब हाउस, रेस्टोरेंट और गोल्फ क्लब के बार को 50 प्रतिशत क्षमता के साथ सुबह दस बजे से रात आठ बजे तक खोलने का आदेश दिया गया है। इस दौरान लोगों को सोशल डिस्टेंसिंग का फालन करना होगा। आदेश में शादी समारोह, दाह संस्कार और श्राद्ध में अधिकमत 50 लोगों के शामिल होने की इजाजत दी गई है। 50 से अधिक लोगों के शामिल होने के लिए डेप्यूटी कमिश्नर से इजाजत लेनी होगी। इसके अलावा सरकार ने प्राइवेट ऑफिस के 50 प्रतिशत क्षमता के साथ काम करने की इजाजत दी है। कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए हरियाणा राज्य को माल्टा के फार्मा रेगुलेटरी सर्विसेज लिमिटेड से स्पुतनिक वैक्सीन के 30 मिलियन डोज़-1 और 30 मिलियन डोज़-2 की आपूर्ति के लिए प्रस्ताव मिला है।

## निजी अस्पतालों को मई में 1.20 करोड़ वैक्सीन डोज मिले : केंद्र

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** केंद्र ने कोविड के टीकों के वितरण में किसी भी तरह की असमानता से इनकार करते हुए कहा कि निजी अस्पतालों को मई के महीने में वैक्सीन की 1.20 करोड़ से अधिक खुराकें मिली हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि भारत सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) के साथ घनिष्ठ साझेदारी में, 16 जनवरी से दुनिया में सबसे बड़े कोविड-19 टीकाकरण अभियान चला रही है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, कुछ मीडिया रिपोटरें में भारत के टीकाकरण अभियान में असमानता का आरोप लगाया गया है। ये रिपोर्ट गलत और सट्टा प्रकृति की हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि 1 मई को उदारीकृत मूल्य निर्धारण और त्वरित राष्ट्रीय कोविड -19 टीकाकरण रणनीति अपनाई गई थी, जो टीकाकरण अभियान के तीसरे चरण का मार्गदर्शन कर रही है।

मंत्रालय ने कहा, यह दोहराया जाता है कि उदारीकृत टीका नीति, जिसमें निजी क्षेत्र और केंद्र के लिए एक बड़ी भूमिका की परिकल्पना की गई है, निजी क्षेत्र के लिए 25 प्रतिशत टीकों को अलग कर रही है। यह तंत्र बेहतर पहुंच की सुविधा प्रदान करता है और सरकारी टीकाकरण पर परिचालन तनाव को कम करता है। उन लोगों के संदर्भ में सुविधाएं जो भुगतान कर सकते हैं और एक निजी अस्पताल में जाना पसंद करेंगे।

1 जून को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, निजी अस्पतालों को मई में 1.20 करोड़ से अधिक वैक्सीन की खुराक मिली थी।

## सेवा के जरिए डैमेज कंट्रोल करेगी पार्टी, अलग-अलग मोर्चे को नड्डा ने दी जिम्मेदारी

» एक लाख स्वास्थ्य स्वयंसेवक तैयार करने का फैसला

» बैठक के बाद महासचिवों-मोर्चा अध्यक्षों के साथ फिर पीएम से मिले नड्डा

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** कोरोना की दूसरी लहर से उपजी नाराजगी को दूर करने के लिए भाजपा सेवा को माध्यम बनाएगी। पार्टी महासचिवों और विभिन्न मोर्चा के अध्यक्षों के साथ दो दिवसीय बैठक में इस संबंध में पार्टी ने कई निर्णय लिए हैं। बैठक के बाद इन निर्णयों की जानकारी देने के लिए पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने महासचिवों-मोर्चा अध्यक्षों के साथ फिर प्रधानमंत्री से मुलाकात की। गौरतलब है कि बैठक के पहले दिन शनिवार को नड्डा ने सेवा ही संगठन अभियान की समीक्षा की थी।

दरअसल पार्टी को अगले साल उत्तर प्रदेश, गोवा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब और मणिपुर में विधानसभा चुनाव का सामना करना है। इनमें पंजाब को छोड़ कर छह राज्यों में भाजपा की सरकार है। अगले साल राष्ट्रपति चुनाव भी होने हैं। इसी बीच कोरोना की दूसरी लहर के दौरान हुई व्यापक क्षति के कारण लोगों में नाराजगी है। भाजपा नहीं चाहती कि इस नाराजगी का असर विधानसभा चुनाव पर पड़े।

❐ **तैयार होंगे एक लाख स्वास्थ्य स्वयंसेवक-** बैठक के बाद पार्टी महासचिव भूपेंद्र यादव ने कहा कि भविष्य में कोरोना जैसी आपदा से नुकसान को कम करने के लिए बैठक में एक लाख स्वास्थ्य स्वयं सेवक तैयार करने का फैसला किया गया है। इन स्वयंसेवकों को वेंटिलेटर्स सहित अन्य तकनीकी कार्य के संचालन के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। महिला मोर्चा को कुपोषण के खिलाफ अभियान छेडने के लिए कहा गया है। इस क्रम में मोर्चा की कार्यकर्ता सरकार के पोषण अभियान को सफल बनाने में जुटेंगी। अनुसूचित जाति-जनजाति मोर्चा वन धन योजना तो किसान मोर्चा कृषि उत्पाद संगठनों पर किसानों को प्रशिक्षित करने का अभियान शुरू करेगा।

❐ **बंगाल हिंसा पर चर्चा-** बैठक में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद राजनीतिक हिंसा पर भी चर्चा हुई। बैठक में तय किया गया कि कार्यकर्ताओं का मनोबल बनाए रखने के लिए केंद्रीय स्तर के नेता और मोदी सरकार के मंत्री नियमित रूप से राज्य का दौरा करेंगे। कार्यकर्ताओं के खिलाफ हिंसा मामले में आंदोलन की रूपरेखा तय करेंगे।

❐ **पीएम से मुलाकात-** शनिवार की तरह ही रविवार को भी नड्डा ने महासचिवों, मोर्चा के अध्यक्षों के साथ प्रधानमंत्री से मुलाकात की। इस मुलाकात में पीएम को बैठक में हुई चर्चा और भविष्य के लिए बनाई गई रणनीति की जानकारी दी गई।

## यास से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए गृह मंत्रालय की टीम करेगी बंगाल का दौरा

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** केंद्रीय गृह मंत्रालय चक्रवात यास से हुई क्षति का जायजा लेने के लिए पश्चिम बंगाल की तीन दिवसीय यात्रा पर एक टीम भेजेगा। संयुक्त निदेशक स्तर के एक अधिकारी सहित टीम नबन्ना में आपदा प्रबंधन और वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करेगी और दक्षिण 24 परगना और पूर्वी मिदनापुर में चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगी।

यास के प्रभाव से पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर, झारग्राम और बांकुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हुई।

चक्रवात ने ओडिशा के साथ-साथ झारखंड, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को भी प्रभावित किया था। चक्रवात की चपेट में आने से क्षेत्र में बारिश से निचले इलाकों में पानी भर गया था। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले महीने ओडिशा और पश्चिम बंगाल का भी दौरा किया और चक्रवात यास के प्रभाव की समीक्षा की थी।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने कहा कि उसने इस क्षेत्र में चक्रवात आने के बाद पश्चिम बंगाल राज्य में फंसे सैकड़ों लोगों को बचाया।

## कई तटीय राज्यों में आगे बढ़ा दक्षिण पश्चिम मानसून

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि दो दिन पहले केरल में आया दक्षिण-पश्चिम मानसून मध्य अरब सागर और देश के कई तटीय राज्यों में आगे बढ़ गया है। आईएमडी ने कहा, पूरे तटीय कर्नाटक और गोवा, महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के अधिकांश हिस्सों, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों, तमिलनाडु के अधिकांश हिस्सों, बंगाल की उत्तरपूर्वी खाड़ी और कुछ हिस्सों में मानसून का विस्तार हुआ है।

आईएमडी के राष्ट्रीय मौसम पूवार्नुमान केंद्र के अनुसार, दक्षिण-पश्चिमी मानसून के अगले 24 घंटों के दौरान मध्य अरब सागर और अन्य क्षेत्रों में और आगे बढ़ने की संभावना है, क्योंकि मानसून की उत्तरी सीमा 17 डिग्री उत्तर और देशांतर अक्षांश से 60 डिग्री पूर्व से होकर गुजरी है।

एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में पंजाब और उससे सटे हरियाणा के ऊपर समुद्र तल से 3.1 किमी ऊपर पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है। चक्रवाती परिसंचरण उत्तर पश्चिमी राजस्थान पर भी बना हुआ है, जो औसत समुद्री स्तर से 2.1 किमी ऊपर तक फैला हुआ है।

इसी तरह का सर्कुलेशन कर्नाटक और गोवा तटों से दूर पूर्व-मध्य अरब सागर में बना हुआ है, जो कि औसत समुद्र तल से 4.5 किमी तक फैला हुआ है।

आईएमडी ने कहा कि श्रीलंका और उससे सटे कोमोरिन क्षेत्र में समुद्र तल से 3.1 किलोमीटर से 4.5 किलोमीटर के बीच चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है।

## केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों हेतु परफॉरमेंस ग्रेडिंग इंडेक्स 2019-20 को जारी करने की दी स्वीकृति

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए परफॉरमेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआई) 2019-20 को जारी करने की स्वीकृति दे दी है। सरकार ने स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तनकारी बदलाव को उत्प्रेरित करने के लिए 70 मानकों के एक सेट के साथ प्रदर्शन ग्रेडिंग इंडेक्स की शुरुआत की है।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए पीजीआई पहली बार 2019 में 2017-18 के संदर्भ में प्रकाशित हुआ था।राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए पीजीआई 2019-20 इस श्रृंखला में तीसरा प्रकाशन है। पीजीआई की इस कवायद में यह परिकल्पना की गई है कि सूचकांक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को बहुआयामी कार्यक्रम चलाने की दिशा में प्रेरित करेगा जो बहुत वांछित सर्वोत्कृष्ट शिक्षा परिणामों को लाएगा। पीजीआई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कमी की तरफ इंगित करने में मदद देगा और उसी के अनुसार कार्यक्रम के क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी ताकि यह सुनिश्चित हो कि स्कूली शिक्षा प्रणाली सभी स्तरों पर मजबूत है।

पंजाब, चंडीगढ़, तमिलनाडु, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह तथा केरल को 2019-20 के लिए उच्चतम ग्रेड (ए++) प्राप्त हुआ है।

पहले के वर्षों की तुलना में अधिकतर राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों ने अपनी ग्रेडिंग को सुधारा है। अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह ,अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, पुडुचेरी, पंजाब तथा तमिलनाडु ने समग्र पीजीआई स्कोर में 10 प्रतिशत का सुधार किया है यानी 100 या अधिक अंक ।

पीजीआई के कार्यक्षेत्र (डोमेन) एक्सेस में अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह ,लक्षद्वीपतथा पंजाब ने 10 प्रतिशत (8 अंक) या अधिक का सुधार किया है। पीजीआई के डोमेन अवसंरचना और सुविधाओं में 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने 10 प्रतिशत (15 अंक) या उससे अधिक का सुधार दिखाया है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और ओडिशा ने 20 प्रतिशत या उससे अधिक का सुधार दिखाया है। पीजीआई के डोमेन इक्विटी में अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर तथा ओडिशा ने 10 प्रतिशत से अधिक का सुधार दिखाया है।

पीजीआई के डोमेन गवर्नेंस प्रोसेस में 19 राज्यों तथा केंद्र शासिक प्रदेशों ने 10 प्रतिशत (36 अंक) या उससे अधिक का सुधार दिखाया है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर,पंजाब, राजस्थान तथा पश्चिम बंगाल ने कम से कम 20 प्रतिशत (72 अंक या अधिक) का सुधार दिखाया है।